नवांकुर विद्यापीठ, गंजबासौदा

मासिक समाचार-पत्र

क्रमशः

अंक 49 माह-सितम्बर 2011

प्रति,

_ _ _ _ _ _ _ _ _ _

_ _ _ _ _ _ _ _ _ _

_ _ _ _ _ _ _ _ _ _

_ _ _ _ _ _ _ _ _ _

प्रकाशक : नवांकुर प्रकाशन, गंजबासौदा दूरभाष : 221066, 220769, 223399

अन्दर के पृष्ठों पर

विशेष लेख	2
सम्पादकीय	6
सार-समाचार	7
स्कूल-इन्फो	9
कैरियर	15
बच्चों की कलम	16
नन्ही कूची	24

दुर्गा उत्सव एवं दशहरे की शुभकामनायें

सम्पादक मण्डल:

शैलेन्द्रकुमार पिंगले ''सुमन''

सन्दीप रावत

अजीतसिंह बैस

योगेश चतुर्वेदी

राजेन्द्र यादव

सुनील भावसार

नीलेश जैन

नवांकुर ने किया अनिवार्य नि:शुल्क शिक्षा-अधिनियम का स्वागत

अनिवार्य शिक्षा-अधिनियम के अन्तर्गत सत्र 2010-11 से नवांकुर में नि:शुल्क शिक्षा का लाभ ले रहे विद्यार्थी

नवांकुर का उद्देश्य सदा से सार्वभौमिक शिक्षा प्रदान करना रहा है। नवांकुर ने सदैव व्यावसायिक संस्था के रूप में न रहकर सामाजिक संस्था के रूप में कार्य किया है। समाज से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को कुठाराघात करने हेतु नुक्कड़ नाटकों व गीतों के माध्यम से नवांकुर ने चहलकदमी की है। जब-जब शासन व समाज के लिए कोई योजना चलायी गयी, नवांकुर ने उसके क्रियान्वयन के लिए कदम-से-कदम मिलाया। सार्वभौमिक शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से नवांकुर प्रतिवर्ष समाज के निर्धन-वर्ग के छात्र-छात्राओं के शिक्षण-शुल्क में रियायत देता आ रहा है। ऐसे में अनिवार्य शिक्षा-अधिनियम 2009 आया, इस अधिनियम के अन्तर्गत समाज के सभी वर्गों को सर्वव्यापी शिक्षा का प्रावधान रखा गया, नवांकुर ने इस अधिनियम के प्रचार-प्रसार हेतु बासौदा की पिछड़ी बस्तियों का भ्रमण कर घर-घर जाकर शासन की इस योजना के बारे में बताया और विद्यालय में नि:शुल्क प्रवेश हेतु छात्र-छात्राओं का चयन किया। नवांकुर ने सबसे पहले इस अधिनियम का पालन करते हुए, सत्र 2010-11 में 28 बच्चों को शिशु कक्षा में नि:शुल्क शिक्षा का लाभ दिया है। वर्ष 2011 में 100 विद्यार्थी नि:शुल्क शिक्षा का लाभ ले रहे हैं, इनमें सत्र 2011-12 में 72 बच्चों को नि:शुल्क प्रवेश दिये गये। नवांकुर विद्यालय की शिशु कक्षा में 35 एवं डॉल्फिन स्कूल में नर्सरी कक्षा में 27 बच्चों को नि:शुल्क प्रवेश दिये गये। शासन द्वारा निर्धारित आरक्षण से कहीं अधिक स्थान देकर नवांकुर ने अपने कर्त्तव्य का निर्वहन किया। जहाँ विद्यालय-प्रशासन समाज -उत्थान के कार्यों में प्रयासरत है,

अनिवार्य शिक्षा-अधिनियम के अन्तर्गत सत्र 2011-12 में नवांकुर की शिशु कक्षा में नि:शुल्क शिक्षा का लाभ ले विद्यार्थी

अनिवार्य शिक्षा-अधिनियम के अन्तर्गत सत्र 2011-12 में डॉल्फिन की नर्सरी कक्षा में नि:शुल्क शिक्षा का लाभ ले विद्यार्थी

पिछड़ी बस्तियों के घर-घर में जाकर शासन की योजना से अवगत कराते विद्यालय के शिक्षक एवं डॉल्फिन के प्राचार्य

पिछड़ी बस्तियों के घर-घर में जाकर शासन की योजना से अवगत कराते विद्यालय के शिक्षक

तो वहीं विद्यालय के रणवाँकुरे विद्यार्थी भी पीछे नहीं है। हाल ही में विद्यार्थियों द्वारा चलायी जा रही मित्र-योजना विद्यार्थियों की उत्कृष्ट सोच का ही परिणाम है। इस योजना के अन्तर्गत विद्यार्थियों ने अपने स्वयं के जेबखर्च की राशि को एकत्र कर एक मित्र-कोष तैयार किया है। इस कोष की राशि के माध्यम से नि:शुल्क शिक्षा ले रहे एवं अन्य जरूरतमन्द विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म , पुस्तकें, पेन व अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराये। इस योजना के उद्घाटन-समारोह का प्रार्थनाकाल में आयोजन किया गया, जिसकी विद्यालय-परिवार के सभी शिक्षकों द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी। इस योजना का समस्त क्रियान्वयन व प्रबन्धन विद्यार्थियों द्वारा किया जा रहा है। नवांकुर के विद्यार्थियों द्वारा समाज-हित की यह सोच देख लगता है, मानो नवांकुर अपने उद्देश्यों में सफल हो रहा है, जो अपने विद्यार्थियों को न केवल तकनीकी व शैक्षणिक अपितु सामाजिक शिक्षा दे पाने में भी समर्थ है। नवांकुर नवीन परिकल्पनाओं की खोज में सदैव तत्पर है। पालकों व अभिभावकों का मार्गदर्शन व दिशा-निर्देशन सदैव हमारा मार्ग, प्रशस्त करता आया है। नवांकुर को और अधिक बेहतर-से-बेहतर बनाने के लिये पाठकों के सुझावों का इन्तजार रहेगा।

-सन्दीप रावत (सम्पादक)
व्याख्याता रसायनशास्त्र

''पुण्य के उदय से प्राप्त शक्तियों को जो बाँटता है, वह सदा मधुर बना रहता है।''

अनिवार्य शिक्षा-अधिनियम के तहत सत्र 2010-11 में शिशु कक्षा में निःशुल्क प्रवेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

क्र.	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	पता
1	कु. माधुरी राज	स्व. श्री राजू राज	गौशाला, पुराना बस स्टेण्ड
2	कु. मुस्कान साध	श्री प्रदीप साध	ब्लॉक ऑफिस के सामने
3	कु. प्रिंस राय	श्री लालाराम राय	लड्ढा एजेंसी वाली गली
4	कु. खुशी सिलावट	श्री अशोककुमार	सिंधी कॉलोनी
5	दिलीप राय	श्री विजयकुमार	लड्ढा एजेंसी वाली गली
6	शिवम भावसार	श्री कल्लू भावसार	लड्ढा एजेंसी वाली गली
7.	कार्तिक साहू	श्री जगदीश साहू	गीता टॉकीज के पीछे
8.	अनुराग सेन	श्री राजेश सेन	गीता टॉकीज के पीछे
9.	हेमन्त मालवीय	श्री मनोज मालवीय	वेदनखेड़ी, वार्ड नं. 8
10.	कु. अंकिता नामदेव	श्री राकेश नामदेव	लड्ढा एजेंसी वाली गली
11.	आशू विश्वकर्मा	श्री प्रहलाद विश्वकर्मा	लड्ढा एजेंसी वाली गली
12.	कु. सलोनी कुशवाह	श्री बाबूलाल कुशवाह	पुराने बस स्टेण्ड के पास
13.	गोलू राजपूत	श्री तेजसिंह राजपूत	लड्ढा एजेंसी वाली गली
14.	सुनील राजपूत	श्री हरिसिंह राजपूत	स्वरूप नगर, त्यौंदा रोड
15.	कु. रूपाली ठाकुर	श्री विजयसिंह ठाकुर	लड्ढा एजेंसी वाली गली
16.	कु. राधिका परिहार	श्री आशाराम परिहार	एस.एस.कॉन्वेण्ट वाली गली
17.	कु. रिया वर्मा	श्री रवि वर्मा	फ्रीगंज, वार्ड नं. 1
18.	कु. भूमिका परिहार	श्री वीरेन्द्र परिहार	बीजासन माता मन्दिर वाली गली
19.	कु. निशा रैकवार	श्री मन्नू रैकवार	चार खम्बे वाली गली
20.	अनीश खाँ	श्री हसीन खाँ	अयोध्या बस्ती वार्ड नं. 8
21.	राजा खाँ	श्री नवाब खाँ	वेदनखेड़ी, वार्ड नं. 8
22.	अरबाज खान	श्री इरफान खान	दुर्गानगर, त्यौंदा रोड
23.	कु. उजमा बी	श्री शाहिद खान	वेदनखेड़ी, वार्ड नं. 8
24	कु. फरीम बी	श्री उमर खाँ	वेदनखेड़ी, वार्ड नं. 8
25.	कु. मुस्कान बी	श्री इकबाल खाँ	अयोध्या बस्ती, वेदनखेड़ी
26.	कु. राना बी	श्री वहीद खान	लड्ढा एजेंसी वाली गली
27.	कु. फोजिया बानो	श्री हजरत अली	चार खम्भा वाली गली
28.	कु. रिया सोनी	श्री मनमोहन सोनी	लड्ढा एजेंसी वाली गली

अनिवार्य शिक्षा-अधिनियम के तहत सत्र 2011-12 में शिशु कक्षा में निःशुल्क प्रवेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

क्र.	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	माता का नाम	पालक का पता	प्रवेश आधार
1	हर्ष चौधरी	श्री हुकमचन्द चौधरी	श्रीमती सीमा	वार्ड नं. 10, मीलरोड, गंजबासौदा	अ.जा
2	अंकेश अहिरवार	श्री रामबाबू अहिरवार	श्रीमती लक्ष्मीबाई	वेदनखेड़ी टपरिया, गंजबासौदा	अ.जा
3	कु. रौनक अहिरवार	श्री छोटेलाल अहिरवार	श्रीमती शशि	रविदास कॉलोनी, वार्ड नं 4 गंजबासौदा	अ.जा
4	कु. यशोदा अहिरवार	श्री मोहर अहिरवार	श्रीमती लक्ष्मी	रविदास कॉलोनी, वार्ड नं 4 गंजबासौदा	अ.जा
5	अजय अहिरवार	श्री मुकेश अहिरवार	श्रीमती विनीता	इन्द्रानगर, त्योंदा रोड,गंजबासौदा	अ.जा
6	अमन अहिरवार	श्री मुकेश अहिरवार	श्रीमती विनीता	इन्द्रानगर, त्योंदा रोड,गंजबासौदा	अ.जा
7	कु. नन्दिनी कोरी	श्री हरीसिंह कोरी	श्रीमती सुशीलाबाई	इन्द्रानगर, त्योंदा रोड,गंजबासौदा	अ.जा
8	प्रशान्त कोरी	श्री हरीसिंह कोरी	श्रीमती सुशीलाबाई	इन्द्रानगर, त्योंदा रोड,गंजबासौदा	अ.जा
9	कु. डॉली अहिरवार	श्री राजू अहिरवार	श्रीमती उर्मिला	रविदास कॉलोनी, वार्ड नं 4 गंजबासौदा	अ.जा
10	शिवम अहिरवार	श्री कोतलसिंह	श्रीमती सुनीताबाई	रविदास कॉलोनी, वार्ड नं 4 गंजबासौदा	अ.जा
11	सत्यम यादव	श्री रमेश यादव	श्रीमती सावित्री	वेदनखेड़ी टपरिया, गंजबासौदा	बी.पी.एल.
12	हर्षराजसिंह दाँगी	श्री अमरसिंह दाँगी	श्रीमती रितु दाँगी	नवांकुर वाली गली बरेठ रोड	बी.पी.एल.
13	यशवन्त नामदेव	श्री संजयकुमार	श्रीमती कृष्णा	बीजासन माता मन्दिर बरेठ रोड,	बी.पी.एल.
14	आयुष राठौर	श्री सुरेशनारायण	श्रीमती मंजू	न्यू बस स्टेण्ड के पीछे , गंजबासौदा	बी.पी.एल.
15	कु. सना बी	श्री इसरार खाँ	श्रीमती मुबीना	वार्ड नं. 6, बरेठ रोड, गंजबासौदा	बी.पी.एल.
16	अभिषेक विश्वकर्मा	श्री मोहरसिंह	श्रीमती लीलाबाई	रविदास कॉलोनी, वार्ड नं 4 गंजबासौदा	बी.पी.एल.
17	कु. नन्दिनी पटवा	श्री नारायण प्रसाद	श्रीमती ममताबाई	वार्ड नं. 6, बरेठ रोड, गंजबासौदा	बी.पी.एल.
18	प्रियांश विश्वकर्मा	श्री रामराज विश्वकर्मा	श्रीमती भारती	लड्ढा ऐजेंसी गली, बरेठ रोड,	बी.पी.एल.
19	लकी राव	श्री बृजेश कुमार	श्रीमती पार्वती	कंचन स्टोर्स के पास, बरेठ रोड,	बी.पी.एल.
20	गौरव शर्मा	श्री उमाशकर	श्रीमती शारदा	नानाजी वाली गली, वार्ड नं. 2,	बी.पी.एल.
21	कु. पलक विश्वकर्मा	श्री रुपनारायण	श्रीमती सीमाबाई	कृपाराम वाली गली, बरेठ रोड ,	बी.पी.एल.
22	समीर खाँ	श्री रमजान खाँ	श्रीमती तस्लीम बी	वेदनखेडी टपरिया, गंजबासौदा	बी.पी.एल.
23	कु. खुशबू बैना	श्री मुन्ने खाँ	श्रीमती जरीना बी	गंगास्वीट्स के पीछे, बरेठ रोड,	बी.पी.एल.
24	कु. अलीशा बी	श्री जिसुब खाँ	श्रीमती फरजाना बी	गंगास्वीट्स के पीछे, बरेठ रोड,	बी.पी.एल.
25	कु. परी रैकवार	श्री राजकुमार रैकवार	श्रीमती गीताबाई	फ्रीगंज वार्ड नं. 1, गंजबासौदा	बी.पी.एल.
26	अमन राजपूत	श्री भूपेन्द्र सिंह	श्रीमती राजकुमारी	लड्ढा ऐजेंसी गली, बरेठ रोड,	बी.पी.एल.
27	कु. नेहा विश्वकर्मा	श्री दौलतसिंह	श्रीमती पुष्पाबाई	धर्मकांटा कालाबाग, गंजबासौदा,	बी.पी.एल.
28	कु. स्नेहा रजक	श्री भागीरथ रजक	श्रीमती शान्ति	फ्रीगंज वार्ड नं. 1, गंजबासौदा	बी.पी.एल.
29	भानू सेन	श्री राधेश्याम	श्रीमती चन्दाबाई	बेहलोट बायपास, बर्फ फैक्ट्री के पास,	बी.पी.एल.
30	कु. भावना सेन	श्री राधेश्याम	श्रीमती चन्दाबाई	बेहलोट बायपास, बर्फ फैक्ट्री के पास,	बी.पी.एल.
31	सौरभ विश्वकर्मा	श्री दिनेश विश्वकर्मा	श्रीमती कविता	लड्ढा ऐजेंसी गली, बरेठ रोड,	बी.पी.एल.
32	कु. कामना शर्मा	श्री मोहनप्रसाद	श्रीमती जयरानी	इन्द्रानगर, त्योंदा रोड,गंजबासौदा	बी.पी.एल.
33	गौरव मैना	स्व. श्री शिवनारायण	श्रीमती रुक्मणी	इन्द्रानगर, त्योंदा रोड,गंजबासौदा	बी.पी.एल.
34	मोहित विश्वकर्मा	श्री आनन्दीलाल	श्रीमती काशीबाई	लड्ढा ऐजेंसी गली, बरेठ रोड,	बी.पी.एल.
35	विवेक विश्वकर्मा	श्री तखतसिंह	श्रीमती सरोज	लड्ढा ऐजेंसी गली, बरेठ रोड,	बी.पी.एल.

''कुछ लोग स्थान बदलते हैं, कुछ लोग साथी बदलते हैं, किन्तु अपने कड़वे स्वभाव को कोई बदलना नहीं चाहता।''

The List of Students of Dolphin School Admitted in Nursery Under RTE, 2011 *(Position upto 25-07-2011)*

S No.	Name of Student	Father's name	Mother's Name	Address	Ground of Admission
1	Devansh Sehriya	Mr. Jamna Prasad	Mrs. Kanti	Laxmi Narayan Mandir, Ward No. 7	ST
2	Gautam Raj	" Veer Singh	" Archana	4 Khambha Gali , Bareth Road	SC
3	Ku. Bhumi Kataria	" Rahul	" Manisha	Gayatri Nagar, Ward No. 6	SC
4	Harsh Kataria	" Avinash	" Savita	Gayatri Nagar, Ward No. 6	SC
5	Ku. Soumya Panthi	" Mukesh	" Chhaya	Atal Bihari Colony, Gita Talkies Road	SC
6	Adarsh Kumar Sadh	" Pradeep Kumar	" Vimla Devi	Near Block Office, Bareth Road	SC
7	Ku. Megha Suryawanshi	" Jitendra	" Jai kumari	Ravidas Colony Nai Basti, Ward-4	SC
8	Krishna Sen	" Prem Narayan	" Hemlata	Near Khara Kua, Ward No. 2	B.P.L
9	Vaibhav Sharma	" Devendra	" Prabha	Bareth Road, Ward No. 6	B.P.L
10	Aryan Namdev	" Dashrath	" Khushbu	Bhavsar Pulia, Bareth Road	B.P.L
11	Rehan Khan	" Shafiq Khan	" Kausar Bee	Gaushala Mandi Road	B.P.L
12	Gaurav Sharma	" Uma Shankar	" Sharda	Nanaji Wali Gali, Ward No. 2	B.P.L
13	Ku. Tamanna Soni	" RamSwarup	" Rekha	Ward 6, Bareth Road,B.P.L	
14	Arun Kumar Kushwaha	" Sumer Singh	" Savitri	Ayodhya Basti, Behind Block Office	B.P.L
15	Ku. Praneta Namdev	" Mukesh	" Jyoti	Mirzapur, Ward No. 16	B.P.L
16	Ku. Radhika Sahu	" Braj Mohan	" Urmila	Laddha Agency Gali, Bareth Road	B.P.L
17	Ku. Ayasha Kushwaha	" Soudan Singh	" Savita	Laddha Agency Gali, Bareth Road	B.P.L
18	Ranjit kushwaha	" Avon Singh	" Sunita	4 Khambha Gali , Bareth Road	B.P.L
19	Ku. Manisha Vishwakarma	" Khushilal	" Raj Bai	Bedankheri Taparia, Ward No. 8	B.P.L
20	Kumar Sajid Ali Khan	" Tahir Khan	" Shahjahan	Bedankheri Taparia, Ward No. 8,	B.P.L
21	Ankit Sahu	" Seetaram	" Sangita	Laddha Agency Gali, Bareth Road	B.P.L
22	Ku. Ritika Sahu	" Raghuveer	" Krishna	Jamna Nagar, Ward No. 15	B.P.L
23	Pushpendra Malviya	" Asha Ram	" Sadhna '	Subhash Niketan Wali Gali, Ward 7	B.P.L
24	Kuldeep Kori	" Chandra Prakash	" Shanti Devi	Near Khare Kua, Ward No. 2	B.P.L
25	Lalit Kishor Silavat	" Virendra Kumar	" Reena	Bedankheri Taparia, Ward No. 8	B.P.L
26	Sahil Ahirwar	" Raghuveer Singh	" Shakun Bai	Ayodhya Nagar, Behind Block Office	B.P.L
27	Ku. Soumya Jain	" Bhupendra Jain	" Seema	4 Khambha Gali , Bareth Road	B.P.L

माह अगस्त एवं सितम्बर में जन्मदिन वाले सभी विद्यार्थियों को नवांकुर-परिवार का शुभाशीष!

"क्रोध-रूपी अग्नि की चिंगारी आत्मा के सद्गुणों को जला देती है।"

सम्पादकीय

प्रिय विद्यार्थियो,

आप अपने निर्धारित लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करें तथा सुनहरे भविष्य की ओर बढ़ें , इन्हीं शुभकामनाओं के साथ विद्यालय-परिवार नये सत्र में आपका हार्दिक अभिनन्दन करता है। हम एक नयी उमंग, नयी योजना, नये जुनून तथा वही पुराने आदर्श कि ''आपको आपकी मंजिल तक पहुँचाना है'', के साथ प्रबल आत्मविश्वास से एक बार फिर तैयार हैं। 'चले नवांकुर आगे-आगे' की चुनौती ही हमारा लक्ष्य, हमारी प्रेरणा है और इसी चुनौती को पार करते हुए बिगत-सत्र के दौरान हमने कई उपलब्धियाँ प्राप्त कीं तथा कई कीर्तिमान गढ़े, लेकिन हमारा मुकाबला तो अपने आप से है। अतः, इस सत्र में हम अपने ही रिकार्ड तोड़ने के लिए फिर तैयार है, परन्तु क्या आप हमारी इस चुस्ती-फुर्ती का राज जानते हैं, जरूर जानते होंगे। जी हाँ, इसका राज है, आपके लिए कुछ बेहतर करने की चाह। आपको आपकी मंजिल तक पहुँचाने की हमारी जिद तथा पालकों द्वारा हम पर किये गये विश्वास पर खरा उतरने की हमारी कोशिश। आज के इस दौर में जब आये दिन बदलते शिक्षा के नियमों का पालन न कर पाने पर बड़े-बड़े शहरों के बड़े-बड़े संस्थान भी सरकार तथा पालकों की नाराजगी झेल रहे हैं। वहीं मुझे यह बताते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि हमारे हर प्रयास के लिए हमेशा पालकों ने हमें सराहा तथा आज भी वे हर कदम पर हमारे साथ हैं। इसी का परिणाम है कि हिन्दी माध्यम नवांकुर हाईस्कूल से हायर सेकेण्डरी हुआ, फिर पालकों के सुझावों तथा सहयोग ने इसकी अंग्रेजी माध्यम शाखा "डॉल्फिन स्कूल ऑफ विजडम" का विकास करवाया और आज पालकों के मार्गदर्शन में ही हम एक नये विकल्प 'नवांकुर स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साईंस' के साथ आपके सामने हैं, जिसमें आज की आवश्यकता के अनुरूप व्यावसायिक पाठ्यक्रम DCA तथा PGDCA उपलब्ध हैं। हम इस सहयोग के लिए समस्त पालकगणों के आभारी हैं तथा हमेशा ऐसे ही सहयोग की आपसे अपेक्षा रखते हैं।

मेरा सभी विद्यार्थियों से बस यही कहना है कि नवांकुर आपके जीवन, आपके भविष्य को सँवारने का उत्तम विकल्प तथा सफल सीढ़ी है। अतः, इसका लाभ उठायें तथा भरपूर मेहनत करें। विद्यालयीन शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन में आप अपना लक्ष्य जरूर प्राप्त करेंगे। अन्त में नवांकुर के सभी मेहनती एवं लगनशील विद्यार्थियों के लिए मेरा सन्देश है कि -

इतिहास के मुकुट में वही हीरे जड़े होते हैं,
जो किसी अनजान कलाकार, ने बड़ी मेहनत से गढ़े होते हैं।
नींव के पत्थर कभी पहचान नहीं बना पाये तो क्या,
वे खुश हैं उन महलों के लिए, जो उनके सिर पर खड़े होते हैं।
सफलता उन्हें कभी नहीं मिलती, जो असफलता से डरे होते हैं,
अरे ! सफलता के शिखर पर तो वही वीर चढ़े होते हैं,
जिनके जिस्म नहीं, जिगर बड़े होते हैं।

-योगेश चतुर्वेदी (सम्पादक)
व्याख्याता भौतिकशास्त्र

चलें गगन की और चलें

चलें गगन की और चलें,
कदम रोकें नहीं,
पग मंजिल की ओर करें।
जो डरा था प्रारम्भ में,
वो भी पथरीले रास्तों पर,
निकल पड़ा।
चलता रहा, चलता ही रहा,
दिक्कतें थी ज्यादा, मंजिल थी दूर,
मगर वो सितारे नहीं थे, जो न चमक सकें,
चलें गगन की ओर चलें।
उम्मीद की किरण दिखाती है रास्ता मुझे,
जिन्दगी की दौड़-धूप डसती है मुझे,
पहुँचाना है दृष्टि वहाँ तक,
जहाँ धरा अम्बर से मिले,
चमक है क्षितिज पर,
चलें गगन की ओर चलें।

-नीलेश जैन (सम्पादक)
सहा.शिक्षक, डॉल्फिन

''जिसका स्वभाव कड़वा होता है, उसकी जबान भी कड़वी होती है। अपने कटु स्वभाव को सु-भाव में प्रवृत्त करो।''

सार-समाचार

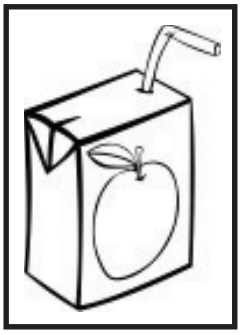

1. डिब्बाबन्द जूस पीना खतरनाक-
अगर आपको रोज फलों का डिब्बाबन्द जूस पीने की आदत है, तो उसे बदल दीजिये , क्योंकि हाल में हुए दो शोधों में यह बात सामने आयी है कि रोज इसका सेवन सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है।

2 बी.ई. की पढ़ाई करो और टी.सी. एस. ज्वॉइन करो-
देश की सबसे बड़ी साफ्टवेयर कम्पनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एस.ए.टी. आई. इंजीनियरिंग कॉलेज के बीच एक समझौता हुआ, जिसके तहत कॉलेज के कम्प्यूटर व आई.टी. के विद्यार्थियों को टी.सी. एस. की मंशानुसार ट्रेण्ड किया जायेगा और बीई की डिग्री पूरी होने के बाद टी.सी.एस. उनका चुनाव कर लेगी।

3. डरे टैक्स चोर, स्विस बैंक में कम आया पैसा-
कालेधन पर देश भर में जारी बहस के बीच खुलासा हुआ है कि इस साल स्विस बैंक के खातों में 5 लाख करोड़ रुपये कम जमा हुए हैं। सूत्रों का कहना है कि यह कमी केवल ग्राहकों के व्यवहार में परिवर्तन के चलते ही नहीं आयी है, बल्कि सुरक्षा में कमी व कई खातेधारकों के नाम को उजागर होने के चलते यह कमी दर्ज की गयी है।

4 पी.जी. में प्रवेश पर उम्र का बन्धन-
स्नातकोत्तर एवं योग के नियमित पाठ्यकमों में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को उम्र के बन्धन में बाँध दिया गया है। 27 साल से अधिक उम्र वाले विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर एवं योग-पाठ्यक्रमों में प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। वहीं स्नातक स्तर के प्रथम सेमेस्टर में 22 वर्ष से अधिक आयु के आवेदकों को भी प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।

5 टोयोटा ने नई अल्टिस उतारी-
लक्जरी कार बनाने वाली प्रमुख कम्पनी टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने एक नयी कोरोला अल्टिस पेश की है, जिसकी दिल्ली में एक्स शोरूम कीमत 10.47 लाख रुपये से लेकर 14.77 लाख रुपये के बीच है।

6 धोनी बने, दूसरे सबसे सफल कप्तान-
किस्मत ने महाधनी और विश्वकप-विजेता कप्तान महेन्द्रसिंह धोनी, किंग्सटन में वेस्टइण्डीज के खिलाफ पहला टेस्ट 63 रन से जीतने के साथ भारत के दूसरे सफल कप्तान बन गये हैं।

धोनी की अपनी कप्तानी में 25 टेस्टों में यह 15वीं जीत थी और उन्होंने मोहम्मद अजहरुद्दीन को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने देश के लिए 47 मेचों में से 14 मैच जीते थे। सौरभ गांगुली देश के सबसे सफल कप्तान हैं, जिनके नेतृत्व में टीम इण्डिया ने 49 में से 21 टेस्ट जीते थे।

7 फिल्म वही, जिसे परिवार के साथ देख सकें-
हिन्दी फिल्मों के लगातार गिरते स्तर से महानायक अभिताभ बच्चन खासे चिन्तित हैं। फिल्मों में घुस आयी अश्लीनता का विरोध करने वाले अभिताभ कहते है कि अपने पूरे कैयिर में उन्होंने जो भी फिल्में कीं, वे यह सोचकर कीं कि क्या मैं अमुक फिल्म अपने बाबूजी और माताजी को दिखाने ले जा सकता हूँ। बिग बी इस बात से दु:खी है कि कम्प्यूटर आने के बाद लोग धीरे-धीरे लिखने की आदत भूलते जा रहे हैं। हिन्दी को रोमन में लिखने की बढ़ती प्रवृत्ति पर भी उन्होंने चिन्ता जतायी।

8 राफेल नडाल फ्रेंच ओपन के बने चैम्पियन-
क्लेकोर्ट के बादशाह राफेल नडाल ने फ्रेंच ओपन के खिताबी मुकाबले में अपने चिर प्रतिद्वन्द्वी रोजर फेडरर को 7-5, 7-6, 5-7, 6-1 से हराया। दोनों ही दिग्गज छः साल में चौथी बार फ्रेंच ओपन के खिताब मुकाबले में आमने-सामने थे। चारों बार नडाल ने जीत

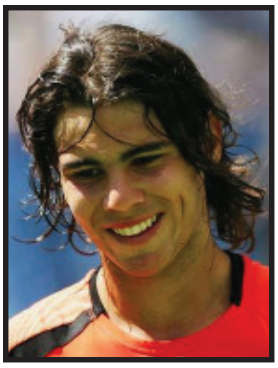

''पूर्व जन्मों में किये गये शुभकर्मों का संचय ही भाग्य है, जो इस जन्म में मधुर फल प्रदान करता है।''

दर्ज की। चैम्पियन नडाल ने रोलो गैरा पर ब्योर्न बोर्न के रिकार्ड (6 खिताब) की बराबरी भी की।

9 पद्मनाभ स्वामी के मन्दिर से निकली करोडों की दौलत-

श्री पद्मनाभ स्वामी मन्दिर के तहखानों के खजाने से अब तक एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा मूल्य के सोने, हीरे और अन्य बेशकीमती पत्थरों के खजाने का पता लग चुका है। इससे यह दुनिया का सबसे दौलतमन्द हिन्दु मन्दिर बन गया है। छिपी हुई सम्पत्ति उजागर होते ही राज्य सरकार ने मन्दिर की सुरक्षा बढ़ा दी है। त्रावणकोर के राजसी परिवार के ट्रस्ट द्वारा इस मन्दिर का संचालन होता है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मन्दिर के छः तहखानों को एक-एक कर खोला जा रहा है।

संकलनकर्त्ता-

सुनील भावसार (सम्पादक), उच्च श्रेणी शिक्षक

- कु. चाँदनी रघुवंशी

पुस्तकालय सम्बन्धी नियम व शर्तें

1 पुस्तकालय का समय प्रातः 9:30 से 1:30 बजे तक सायं 5:00 से 7:00 बजे तक।

2 पुस्तकें निश्चित अवधि के लिए निर्गम की जायेंगी। छात्र-छात्राओं को 5 दिन के लिए तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं को 10 दिन के लिए।

3 कुछ कीमती पुस्तकें और सन्दर्भ पुस्तकें और पत्रिकाओं को छोड़कर सभी पाठ्य-पुस्तक सामग्री निर्गम की जायेगी।

4 पुस्तकों को पुनर्निर्गम उसी स्थिति में किया जायेगा, जब किसी अन्य पाठक द्वारा उसकी माँग न की गयी हो, पुस्तकों का आरक्षण भी किया जा सकता है।

5 यदि पुस्तकें निश्चित अवधि तक लौटकर नहीं आतीं, तो विलम्ब-शुल्क देना होगा।

6 छात्र-छात्राओं को एक रुपया प्रतिदिन तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं को दो रुपया प्रतिदिन विलम्ब-शुल्क देना होगा।

7 पुस्तकों की चोरी, पुस्तकों के चित्र अथवा पृष्ठ फाड़ने पर, दण्ड के रूप में नयी पुस्तकें देनी होगीं या पुस्तकों की कीमत अदा करना होगी। छात्र-छात्राएँ पुस्तकें लेते समय पुस्तकको अच्छी तरह देख लें कि वह कहीं से कटी-फटी न हो। बाद मे कोई सुनवाई नहीं होगी।

8 कक्षा 9 व 10 के लिए पुस्तकें जमा करने का दिन सोमवार व पुस्तकें निर्गम करने का दिन मंगलवार व बुधवार रहेगा। इसी तरह कक्षा 11 व 12 के लिए पुस्तकें जमा करने का दिन गुरुवार व निर्गम करने का दिन शुक्रवार व शनिवार रहेगा।

9 कक्षा 3, 4 व 5 के लिए पुस्तकें निर्गम व जमा करने का दिन सोमवार रहेगा, इसी प्रकार कक्षा 6, 7 वे 8 के लिए पुस्तकें निर्गम व जमा करने का दिन गुरुवार रहेगा।

10 छात्र-छात्राओं से अपेक्षा है कि पुस्तकालय से दी गयी सुविधाओं का सदुपयोग करेंगे एवं शान्तिपूर्ण वातावरण बनाये रखेंगे।

कु. अफसाना शेख, पुस्तकालय-प्रभारी

मेरिट सूची- 2011

कक्षा	छात्र का नाम	माता का नाम	पिता का नाम	प्राप्तांक	प्रतिशत	स्थान
कक्षा-10	नीलेश सैनी	श्रीमती किरण सैनी	श्री ओमप्रकाश सैनी	546/600	91.00%	प्रथम
	कु.प्रीति दाँगी	श्रीमती रामवती दाँगी	श्री कलेक्टरसिंह दाँगी	538/600	89.67%	द्वितीय
	अभिषेक तिवारी	श्रीमती कल्पना तिवारी	श्री लखन तिवारी	533/600	88.83%	तृतीय
	कु.शिल्पी जैन	श्रीमती बबली जैन	श्री केवलचन्द जैन	530/600	88.33%	चतुर्थ
	नीतेश रघुवंशी	श्रीमती विनीता रघुवंशी	श्री कैलाश रघुवंशी	528/600	88.00%	पंचम
कक्षा-12 गणित	कु. प्रियंका दुबे	श्रीमती संध्या दुबे	श्री प्रतापनारायण	457/500	91.40%	प्रथम
	आशीष शर्मा	श्रीमती रजनी शर्मा	श्री दयाशंकर	447/500	89.40%	द्वितीय
	कु. साक्षी जैन	श्रीमती रेखा जैन	श्री संजय कुमार जैन	445/500	89.00%	तृतीय
	कु. अदिति तिवारी	श्रीमती कल्पना तिवारी	श्री लखनलाल	443/500	88.60%	चतुर्थ
	आकाश मीना	श्रीमती सुधा मीना	श्री सुरेश कुमार	443/500	88.60%	चतुर्थ
	नीरज दाँगी	श्रीमती लता दाँगी	श्री प्रहलादसिंह दाँगी	441/500	88.20%	पंचम
कक्षा-12 जीवविज्ञान	कु. शिवांगी औदिच्य	श्रीमती रूपाली	श्री संजय औदिच्य	382/500	76.40%	प्रथम
	कु.रीता मरावी	श्रीमती जानकी मरावी	श्री ललशु सिंह	379/500	75.80%	द्वितीय
	कु.मोनिका पाल	श्रीमती किरण पाल	श्री हरीनारायण पाल	379/500	75.80%	द्वितीय
	कु.मेघा त्रिवेदी	श्रीमती हेमलता त्रिवेदी	श्री बृजेश कुमार	319/500	63.80%	तृतीय
	कु. हर्षिता श्रीवास्तव	श्रीमती मंजूलता	श्री प्रदीप श्रीवास्तव	310/500	62.00%	चतुर्थ
	सयंक आर्य	श्रीमती मिथलेश आर्य	श्री प्रकाश नारायण	298/500	59.60%	पंचम
कक्षा-12 वाणिज्य	कु. सिमरन वाधवानी	श्रीमती रीना वाधवानी	श्री मनोहर लाल	400/500	80.00%	प्रथम
	प्रशान्त कुमार जैन	श्रीमती रितु जैन	श्री प्रभात कुमार	385/500	77.00%	द्वितीय
	कु. अनामिका जैन	श्रीमती भाग्यश्री जैन	श्री नवीन सिंह	382/500	76.40%	तृतीय
	कु. हर्षा रघुवंशी	श्रीमती ज्ञानवती रघुवंशी	श्री राजेन्द्रसिंह रघुवंशी	379/500	75.80%	चतुर्थ
	कु.प्राची साहू	श्रीमती इन्द्रा साहू	श्री अनिल साहू	372/500	74.40%	पंचम

कु. प्रियंका दुबे कक्षा-12 (गणित)

द्वारा विज्ञान-समूह में

जिले में प्रथम स्थान

प्राप्त करने पर विद्यालय-परिवार की ओर से बधाई !

''भाग्य चक्र की तरह घूमता है, मनुष्य अपने भाग्य को नहीं ढूँढता पर भाग्य उसे खोज लेता है।''

नवांकुर की छात्रा कु. दीपाली आर्य डॉ. अम्बेडकर नेशनल मेरिट अवार्ड से सम्मानित।

विद्यालय की छात्रा **कु. दीपाली आर्य** पुत्री **स्व.श्री गुलाब चन्द आर्य** को **''डॉ. अम्बेडकर नेशनल मेरिट अवार्ड''** से सम्मानित किया गया। छात्रा को यह अवार्ड जिला मुख्यालय पर आयोजित स्वाधीनता-दिवस-समारोह में प्रदान किया गया, जिसके अन्तर्गत 60,000/-रु. की नकद राशि व प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। **कु. दीपाली आर्य** को यह अवार्ड हायर सेकेण्डरी-परीक्षा-2010 की राज्य-मेरिट सूची में अनु. जाति वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर डॉ. अम्बेडकर प्रतिष्ठान, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया।

उल्लेखनीय है कि छात्रा को राज्य-मेरिट-सूची (अनु. जाति वर्ग) में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर म.प्र. राज्य सरकार, (आदिम-जाति-कल्याण-विभाग) द्वारा 30,000/- रु. तथा माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा 10,000/- रु. का नकद पुरस्कार पूर्व में प्रदान किया जा चुका है।

छात्रा की इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर नवांकुर-परिवार की हार्दिक बधाई!

संस्कृत प्रतियोगिता में नवांकुर का बोलबाला

नन्दिनी दुबे

चंचल भारद्वाज

प्रदीप राजपूत

अरुण कुर्मी

अक्षय तिवारी

ऐश्वर्या शक्ला

कालिदास संस्कृत अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्, उज्जैन द्वारा संस्कृत गौरव-दिवस के तहत् शालेय शिक्षा-स्तर पर जालौरी गार्डन विदिशा में दिनांक 7 व 8 अगस्त को जिला-स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें नवांकुर विद्यालय के सात विद्यार्थियों ने भागीदारी की। इनमें से छः प्रतियोगियों में विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया।

श्लोक-गायन में कनिष्ठ वर्ग से कु. नन्दिनी दुबे पुत्री श्री विष्णुप्रसाद दुबे कक्षा-8 ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, इन्हें 751रु. का नकद पुरस्कार व प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

भाषण-प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग से कु. चंचल भारद्वाज पुत्री श्री अनिल भारद्वाज कक्षा-9 ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, इन्हें 501रु. का नकद पुरस्कार व प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। प्रदीप राजपूत पुत्र श्री अमोलसिंह राजपूत कक्षा-12 ने भाषण-प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर 251रु. नकद व प्रमाण-पत्र प्राप्त किया।

निबन्ध-प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग से अरुण कुर्मी पुत्र श्री प्रेमसिंह कुर्मी कक्षा-7 ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 751रु.नकद व

प्रमाण-पत्र प्राप्त किया एवं अक्षत तिवारी पुत्र श्री मनोज तिवारी कक्षा-7 (डॉल्फिन) ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर 501रु. नकद व प्रमाण-पत्र प्राप्त किया।

वरिष्ठ वर्ग से निबन्ध प्रतियोगिता में कु. ऐश्वर्या शुक्ला पुत्री रामगोपाल शुक्ला कक्षा-9 ने तृतीय स्थान प्राप्त कर 251रु. नकद व प्रमाण-पत्र प्राप्त किया।

सभी प्रतिभागियों का विद्यालय के आचार्य श्री वासुदेव शर्मा एवं आचार्या कु. पूजा जैन ने विभिन्न स्तरों पर मार्ग प्रशस्त किया। सभी प्रतिभागियों को विद्यालय-परिवार की ओर हार्दिक बधाई।

श्रद्धा पुरस्कार 2010-11

क्रियाशील प्रगति परिषद् के अध्यक्ष डॉ. विजय शिरढोणकर की पुत्री श्रीमती श्रद्धा टिल्लू की ओर से प्रतिवर्ष **''श्रद्धा पुरस्कार''** कक्षा-8 एवं कक्षा-10 में विद्यालय की छात्राओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रदान किया जाता है। पुरस्कार के रूप में एक-एक हजार रुपये नकद प्रदान किये जाते हैं।

सत्र 2010-11 में कक्षा-8 की छात्राओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर कु. प्रीति राजपूत सुपुत्री श्री महाराज सिंह राजपूत को एवं कक्षा-10 की छात्राओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर कु. प्रीति दाँगी सुपुत्री श्री कलेक्टर सिंह दाँगी को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। विद्यालय-परिवार की ओर बहुत-बहुत बधाई!

धूमधाम से मना स्वतन्त्रता-दिवस-समारोह

विद्यालय में स्वतन्त्रता-दिवस-समारोह विद्यालय में प्राचार्य श्री शैलन्द्र दीक्षित के ध्वजारोहण द्वारा प्रारम्भ हुआ। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने देशभक्तिपूर्ण मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं।

लाल परेड मैदान में आयोजित सामूहिक समारोह में डॉल्फिन स्कूल के विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी नृत्य, मारिया की जोरदार प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया।

नन्हे बच्चों ने बनायीं नन्हीं राखियाँ

नन्हे बच्चों द्वारा तैयार की गईं कलाकृतियाँ

हायर सेकेण्डरी की छात्राएँ नन्हे बच्चों की कलाकृतियों को निहारती हुईं

विद्यालय के प्राथमिक कक्षा के छात्र-छात्राओं ने राखी उत्सव का स्वागत करते हुए विद्यालय में राखियाँ तैयार की। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने घर की व्यर्थ सामग्री को एकत्रित कर सुन्दर-सुन्दर राखियाँ बनायीं, साथ ही सजावटी सामग्री व मॉडल भी तैयार किये। इस तरह पूरी तैयार की गयी सामग्री की प्रदर्शिनी लगायी गयी। सभी शिक्षकों व विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने नन्हे-मुन्नो को इस कार्य के लिए शाबाशी दी।

''जो धनलाभ शुभ ढंग से होता है, वह दूध जैसा है और जो बेईमानी, मिलावट से होता है, वह पानी जैसा है।''

पी.जी.डी.सी.ए. एवं डी.सी.ए. की कक्षाएँ प्रारम्भ

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त नवांकुर स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस में सोमवार 1 अगस्त से पी.जी.डी.सी.ए. एवं डी.सी.ए. की कक्षायें प्रारम्भ हुईं। यह उल्लेखनीय है कि नवांकुर स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए क्रियाशील प्रगति परिषद् का एक अभिन्न प्रयास है।

नवांकुर स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस की कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को पूर्णतः वैज्ञानिक एवं तकनीकी शिक्षा प्रदान की जायेगी।

जरा इन्हे भी जानें

संग्रह के लिए कोई चीज है तो	–	विद्या,
खाने के लिए कोई चीज है तो	–	मान,
सफलता के लिए कोई चीज है तो	–	प्रसन्नता,
धारण के लिए कोई चीज है तो	–	सन्तोष,
पीने के लिए कोई चीज है तो	–	क्रोध,
खाने के लिए कोई चीज है तो	–	गम,
लेने के लिए कोई चीज है तो	–	ज्ञान,
देने के लिए कोई चीज है तो	–	दान,
कहने के लिए कोई चीज है तो	–	सत्य,
न कहने के लिए कोई चीज है तो	–	झूठ ।

-कु.सलोनी अग्रवाल, कक्षा – 12(गणित)

A.T.A.S. का M.P.Chapter प्रारम्भ

A.T.A.S. का पूरा नाम Association of top achievers scout है। 26 जून 2011 को स्काउट गाइड के राज्य मुख्यालय, श्यामलाहिल, भोपाल में विश्व स्तर की संस्था A.T.A.S. के M.P.Chapter का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में विदिशा जिले से गंजबासौदा के एडव्होकेट श्री मुकेश रघुवंशी एवं विद्यालय के राष्ट्रपति-पुरस्कार से सम्मानित स्काउट मनीष दुबे, हर्षद भारद्वाज, अक्षय दीक्षित एवं राघवेन्द्र दाँगी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में M.P. स्काउट सचिव प्रकाश विसोरिया एवं अन्य प्रमुख अधिकारी भी उपस्थित थे।

श्री मुकेश रघुवंशी को A.T.A.S. का जिला समन्वयक बनाया गया एवं विद्यालय के चारों स्काउट को जिला स्तरीय समिति का सदस्य बनाया गया। उल्लेखनीय है कि A.T.A.S. स्काउटिंग की अन्तर्राष्ट्रीय संस्था है। इसका निर्माण राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त कर चुके स्काउट्स को संगठित कर स्काउटिंग के क्षेत्र में नयी भूमिका तैयार करना है।

महत्त्व

सेना में वीरों का, फिल्मों में हीरो का,
गणित में जीरो का, बड़ा महत्त्व है।
लिखने में पेन का, सफर में ट्रेन का,
बोझ उठाने में क्रेन का बड़ा महत्त्व है।
बारात में दूल्हे का, ग्रहस्थी में चूल्हे का,
सावन में झूले का बड़ा महत्त्व है।
ड्रामे में एक्टर का खेती में ट्रेक्टर का,
जीवन में केरेक्टर का बड़ा महत्त्व है।
सर्दियों में कोट का जेब मे नोट का,
चुनावों में वोट का बड़ा महत्त्व है।
लोहे में टाटा का, जूते में बाटा का,
रोटी में आटा का बड़ा महत्त्व है।
कटिंग में नाई का खाने में मिठाई का,
स्कूल में पढ़ाई का बड़ा महत्त्व है।
कपड़ों में सूट का पैरों में बूट का,
मरुस्थल में ऊँट का बड़ा महत्त्व है।

-सौरभ सौलंकी कक्षा 12 (गणित)

''पाप से अर्जित धन अकेला नहीं आता, वह अपने साथ बहुत-सी बीमारियाँ और बुराइयाँ भी लाता है।''

नवांकुर संगीत-विद्यालय में स्वर-लय-ताल का अनोखा संगम

विगत दिनों क्रियाशील प्रगति परिषद् द्वारा संचालित नवांकुर संगीत-विद्यालय की क्रियात्मक परीक्षा सम्पन्न हुई, जिसमें नवांकुर संगीत-विद्यालय के 63 छात्र-छात्राओं ने अपनी-अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उल्लेखनीय है कि विगत आठ वर्षों से नवांकुर संगीत-विद्यालय नगर में संचालित है, जिसमें न केवल नवांकुर के विद्यार्थी, अपितु अन्य शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थी भी संगीत-शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। प्रतिवर्ष ग्रीष्मकाल में प्रातः 8.00 से 11.00 बजे तक एवं अन्य महीनों में 5.00 से 8.00 बजे तक संगीत की विशेष कक्षाएँ लगायी जाती हैं।

नवांकुर संगीत-विद्यालय की क्रियात्मक परीक्षा श्री बेहद उइके (भोपाल) की उपस्थिति में सम्पन्न हुई, जिसमें प्रथम वर्ष से षष्टम वर्ष (प्रभाकर) तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। बाह्य परीक्षक के समक्ष गायन प्रथम वर्ष के छात्र/छात्राओं ने राग यमन, राग विहाग, राग भैरव एवं द्वितीय वर्ष के छात्र/छात्राओं ने राग देश, राग भैरवी तथा गायन तृतीय वर्ष, चतुर्थ वर्ष, पंचम वर्ष और षष्टम वर्ष (प्रभाकर) के छात्र/छात्राओं ने क्रमशः राग पीलू, राग तिलंग, राग मारवा, राग पूर्वी, राग दरबारी, रागशोहनी, रागेश्वरी आदि रागों की कुशल प्रस्तुतियाँ दीं।

कुछ छात्रों ने गजल, ठुमरी, ध्रुपद आदि छोटे-बड़े ख्याल का गायन कर श्री उइके को भाव-विभोर कर दिया। इसी क्रम में ताल-वाद्य तबला के छात्र/छात्राओं ने भी तीन ताल, चौताल, झपताल, आड़ा ताल, जतताल, झूमरताल आदि तालों की एकगुन, दुगुन, तिगुन, चौगुन की तथा इन्हीं तालों में पेशकार, उठान, टुकड़े, परन, चक्रदार परन , कायदे, पलटे, रेला, तिहाई आदि का उत्कृष्ट तबला वादन किया।

क्रियात्मक परीक्षा देने वाले सभी छात्र/छात्राओं की लिखित परीक्षा दिसम्बर माह में सम्पन्न हो चुकी है। नवांकुर संगीत विद्यालय का परीक्षा-परिणाम प्रारम्भ से ही शत्-प्रतिशत रहा है।

छात्र-छात्राओं का अभिमुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न

विद्यालय में गत-दिवस राष्ट्रीय-सेवा-योजना इकाई की बैठक एवं छात्र अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें आगामी छः माह की गतिविधियों एवं विभिन्न दिवसों और आयोजनों की रूपरेखा तैयार की गयी।

इस मौके पर कैरियर प्रकोष्ठ प्रभारी **सन्दीप रावत** ने छात्र-छात्राओं को रासेयो कार्यक्रम की रूपरेखा व रासेयो के उद्देश्यों से परिचित कराया एवं रासेयो के प्रेरणास्रोत **स्वामी विवेकानन्द** जी के मार्ग पर आधारित समाज-सेवा कर व्यक्तित्व विकास करने की प्रेरणा प्रदान की। कार्यक्रम-अधिकारी **हरिओमशरणशर्मा** ने रासेयो की गतिविधियों, विशेष शिविर एवं **A** प्रमाण-पत्र के बारे में बताया। कार्यक्रम में श्रीमती रेणु श्रीवास्तव ने छात्र-छात्राओं को रासेयो नवांकुर इकाई द्वारा प्रतिवर्ष चलाये जा रहे निःशुल्क बालिका कला-प्रशिक्षण के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि इस अभियान के माध्यम से रासेयो कुल 600 ग्रामीण बालिकाओं को

''कपटी मनुष्य अनार की तरह होता है, उसका शरीर लाल, परन्तु मन सफेद होता है।''

मेहंदी, रंगोली, कढ़ाई व क्राफ्ट आदि का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। कार्यक्रम में उपस्थित **अजीत सिंह बैस** ने रासेयो के कर्त्तव्यों एवं

व्यक्तित्व विकास करने की प्रेरणा प्रदान की, साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित **अरुण श्रीवास** ने ''हम होंगे कामयाब'' व ''ए मेरे प्यारे वतन के लोगों'' आदि गीतों की धुन को बाँसुरी पर प्रस्तुत कर उपस्थित जन को मन्त्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अन्तर्गत **संजय जैन** ने पूर्व शिविर के अनुभव एवं विभिन्न सामाजिक-समस्याओं को सभी के बीच रखा एवं स्वयंसेवक छात्रा कु. आकांक्षा, कु. रुचि राय, कु. संगम रघुवंशी ने रासेयो गीतों की आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं, वहीं अनेक स्वयंसेवकों ने विभिन्न विधाओं में अपनी प्रस्तुतियाँ देकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। इस बैठक में विद्यालय के करीब 126 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक छात्रा कु.वैशाली दाँगी ने किया एवं आभार प्रदर्शन कार्यक्रम-अधिकारी हरिओमशरण शर्मा ने व्यक्त किया।

SAVE WATER SAVE LIFE

बच्चे, बूढ़े और जवान, पानी बचायें बनें महान।
अब तो जग जगाओ इंसान, पानी में ही बसते प्राण।
रुपये-पैसे धन-दौलत, कुछ भी काम ना आयेगा।
यदि इंसान इसी तरह, धरती को नोंच के खायेगा।
आने वाली पुश्तों का, कुछ तो हम करें ख्याल।
पानी के बगैर भविष्य, भला कैसे होगा खुशहाल।

-अनीकेश दुबे, कक्षा-8 वीं

योग प्रतियोगिता में नवांकुर के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

सीहोर में दिनांक 10 से 18 अगस्त 2011 तक सम्पन्न हुए सम्भाग-स्तरीय योग-प्रतियोगिता में नवांकुर विद्यापीठ के 26 में से 14 प्रतिभागी छात्र-छात्राओं का चयन राज्य-स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। इन प्रतियोगियों में **मिनी वर्ग में-** कु.प्रियांशी गुप्ता कक्षा-6, कु.दीक्षा राजपूत कक्षा-7, कु.आयुषी जैन कक्षा-7, **जूनियर वर्ग में-**कु.पलक गुप्ता कक्षा-9, कु.योगिता पाली कक्षा-7, कु.दीक्षा आदिवासी कक्षा-9, रवि कुशवाह कक्षा-10, दीपेश साहू कक्षा-10, **सीनियर वर्ग में-** कु.ज्योति आदिवासी कक्षा-9, कु.रंजना पाल कक्षा-11, शैलेन्द्र कुशवाह कक्षा-12, गौरव साहू कक्षा-12, कृष्णकान्त कुशवाह कक्षा-12, वकील रघुवंशी कक्षा-11 के नाम सम्मिलित है।

उल्लेखनीय है कि विगत वर्षों में भी खेल-प्रभारी **श्री कपिल गौड़** के नेतृत्व में नवांकुर के छात्र-छात्राओं ने राज्य-स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी उपस्थिति दर्ज करवायी थी।

नवांकुर विद्यालय-परिवार ने सम्भाग-स्तरीय योग-प्रतियोगिता में सभी सफल छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएँ दी हैं।

TEACHER

T for - Talented
E for - Educated
A for - Attractive
C for - Character of goodness
H for - Honest
E for - Excellent
R for - Representation of student

-Ankit Sharma, Class-7 (Dolphin)

''अनुचित मार्ग से धन कमाने में सफल व्यक्ति संकट आने पर उस धन से स्वयं को बचा नहीं पाता है।''

Company secretary.

C.S. क्या होता है ?

कम्पनी में Company Secretary का रोल अहम् होता है, वह कम्पनी के कानूनों का विशेषज्ञ होता है और वह ICSI का सदस्य होता है।

ICSI जिस प्रकार C.A. की संस्थाा ICAI है, उसी प्रकार C.S. की संस्था ICSI है, जिसका पूरा नाम है-

The Institute of Company secretary of India इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। इसकी भोपाल व इन्दौर में ब्रांच भी हैं।

भोपाल ब्रांच का पता-

एम.पी.नगर, Zone-II, प्रगति पेट्रोल पम्प के पास, भोपाल

रजिस्ट्रेशन-आप किसी भी विषय से हों, तो भी आप C.S.में अपना कैरियर बना सकते हैं। रजिस्ट्रेशन कक्षा- 12 के बाद होता है। रजिस्ट्रेशन फार्म आप ब्रांच से प्राप्त कर सकते हैं।

C.S. का कार्य - C.S. भी C. A. की तरह या तो Practice का प्रमाण-पत्र लेकर अपनी सेवायें दूसरों को दे सकता है या किसी कम्पनी में कार्य कर सकता है।

C.S. किसी संस्थान के विधि सम्बन्धी कार्यों पर नियन्त्रण रखता है, वह कम्पनी का कानूनी सलाहकर होता है।

C.S. में कैरियर-प्रत्येक ऐसी कम्पनी जिसकी चुकता अंश पूँजी 5 करोड़ या अधिक है, उसे C. S. को Appoint करना अनिवार्य है। आज C.S. की माँग बहुत अधिक है, इस कारण एक C.S. को अच्छा वेतन पैकेज मिल जाता है। C.S. में अपना कैरियर लड़का एवं लड़की दोनों बना सकते है परन्तु लड़कियों के लिये यह एक अच्छा विकल्प है-

Stages of C.S.

(1) Foundation programme
(2) Executive programme
(3) Professional Programme

1st Stage - Foundation Programme-

यदि आप स्नातक हैं, तो आपको यह परीक्षा देने की जरूरत नहीं, आप सीधे ही Executive Programme में प्रवेश कर सकते हैं।

Subjects-

1. English and Business Communication
2. Economics and Statistics
3. Financial Accounting
4. Elements of Business laws and Management.

2nd Stage - Executive Programme

Module -I - Subjects -

1. General and Commercial laws.
2. Company Accounts, Cost and Management Accounting
3. Tax Laws.

Module - II - Subjects-

4. Company law
5. Economic and labour laws
6. Securities laws and compliances

3rd Stage - Professional Programme

Module I

1. Company Secretarial practice
2. Drafting Appearances and pleadings

Module II

3. Financial Management
4. Corporate Restructuring and Insolvency

Module III

5. Strategic Management, Alliances and international trade.
6. Advanced tax laws and practice

Module IV

7. Due Diligence and Corporate Compliance managements
8. Governance, Business Ethics and Sustainability.

Examinations-

साल में दो बार जून एवं दिसम्बर में होती हैं।

Training -

C.S. में 15 महीने की ट्रेनिंग Executive Programme के बाद या Professional Programme के बाद कर सकते हैं।

Best coaching

- **NAHATA,**
  C- 10, Poddar plaza, Pathar godowm Road,
  Behind Jabalpur Motors, New Siyaganj, Indore.
- **कैरियर क्लासेसए R.N.T.** मार्ग,
  शालीमार कोर्पोरेंट हाउस और जिला उच्च न्यायालय के पास, एडवोकेट बार काउंसिल के सामने, औदिच्य भवन, इन्दौर।

संकलनकर्ता - **दिनेश रघुवंशी** (पूर्व छात्र)

''पानी का अनियन्त्रित प्रवाह बाढ़ बनकर कई गाँवों को डुबा देता है, तो जिह्वा का अनियन्त्रित प्रवाह कई जीवन छिन्न-भिन्न कर देता है।''

राष्ट्रीय ध्वज

भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा है अर्थात् इसमें तीन रंगों को प्रतीकात्मक तौर पर अपनाया गया है। यह तीन सरल अनुपात वाली आड़ी पट्टियों से बना है, जो केसरिया, सफेद व हरे रंग की हैं। सबसे ऊपर केसरिया रंग है, जो शौर्य, बलिदान, जागृति तथा त्याग का प्रतीक है। बीच में सफेद रंग की पट्टी है, जो सत्य-सादगी एवं पवित्रता का प्रतीक है। सबसे नीचे गहरा हरा रंग समृद्धि का सूचक है। राष्ट्रीय ध्वज में सफेद पट्टी के मध्य चक्र है, जो गहरे नीले रंग में बना है। इस चक्र में 24 तीलियाँ है। चक्र का व्यास सफेद पट्टी के बराबर ही होता है। यह चक्र सत्य की प्रगति के मार्ग का प्रतीक है। इसे सारनाथ स्थित अशोक-स्तम्भ से लिया गया है। तिरंगे के स्वरूप को संविधान-सभा ने 22 जुलाई, 1949 को अपनाया। इसे 14 अगस्त, 1947 को संविधान-सभा के अर्द्धरात्रिकाल अधिवेशन में राष्ट्र को समर्पित किया गया। यह ध्वज अपने तीनों रंगों व चक्र के माध्यम से राष्ट्रवासियों को ईमानदारी से सत्य का मार्ग अपनाकर राष्ट्र को समृद्ध बनाने की प्रेरणा देता है। राष्ट्रध्वज की लम्बाई-चौड़ाई का अनुपात 2:3 है। संविधान में इसके सम्मान की रक्षा की भी व्यवस्था है। यह प्रत्येक भारतीय के गौरव का प्रतीक है। अतः, इसका प्रयोग व प्रदर्शन दोनों ही नियमानुसार होने चाहिये। आम नागरिकों में ध्वज के प्रति श्रद्धा को देखते हुए, राष्ट्रीय ध्वज- संहिता 2002 में संशोधन किया गया है। इसके साथ ही अब राष्ट्रीय ध्वज को घर की छतों तथा सभी राजकीय भवनों में आम दिनों व समारोहों में हर खास व आम नागरिकों द्वारा भी फहराया जा सकेगा।

-गोलू विश्वकर्मा, कक्षा-9

गुरु

हे दयामय आप ही संसार के आधार हो,
आप ही करतार हो, हम सब के पालनहार हो।
जन्मदाता आप ही, माता-पिता भगवान हो,
सर्व सुखदाता, सखा, भाई हो तुम प्राण हो।
आप के उपकार का हम कर्ज चुका सकते नहीं,
बिना कृपा के आपकी शान्ति, सुख पा सकते नहीं।
दीजिये वह बुद्धि, बनें हम सद्गुणी संसार में,
मन हो धर्ममय और तन लगे परोपकार में।

संकलन-कु. चारू भारद्वाज कक्षा - 12 (गणित)

क्या आप जानते हैं ?

1. पहली कलर टी.वी. सर्विस 15 अगस्त 1982 को प्रारम्भ हुई।
2. एक कंगारू जितनी तेज छलांग लगाता है, उसकी ऊर्जा उतनी ही कम खपती है।
3. रविन्द्रनाथ टैगोर ने हमारे देश के साथ-साथ बांग्लादेश का राष्ट्रगान भी लिखा था।
4. नारियल का बीज सभी बीजों से बड़ा होता है।
5. साँप एक सेकेण्ड में दस बार फन मार सकता है।
6. यूरोप एक ऐसा महाद्वीप है, जहाँ रेगिस्तान नहीं पाया जाता है।
7. व्लू व्हेल मछली की जीभ का वजन एक व्यस्क हाथी के वजन के बराबर होता है।
8. एक गाय अपने पूरे जीवनकाल में लगभग 1.50 लाख लीटर दूध देती है।
9. कछुआ 100 वर्ष से भी ज्यादा जीता है।
10. जिराफ के बच्चों को जन्म के समय 6 फिट ऊपर से गिराने पर सामान्यतः कोई चोट नहीं आती है।
11. कनाडा में उपस्थित झीलों की संख्या विश्व में उपस्थित सभी झीलों की संख्या से अधिक है।
12. हाथी का दिल एक मिनिट में 25 बार धड़कता है।
13. पसीने में खुद कोई दुर्गन्ध नहीं होती, हमारी त्वचा में उपस्थित जीवाणु उसमें दुर्गन्ध पैदा करते हैं।
14. पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमने में 24 घण्टे की बजाय 23 घण्टे 56 मिनिट और 4 सेकेण्ड लगाती है।

-रजनी रघुवंशी, कक्षा- 12 (कार्मस)

Parents

Parents are my god,
They are my world.
They show me right ways,
I love them always.
They are very wise,
They give me good advice.
They give me lot of love
That is my good luck.

-Karan singh Tomor, Class- 5th (Dolphin)

''जिसकी आँख में वात्सल्य हो, उसे सारी दुनिया अच्छी लगती है, पर जिसकी वाणी में माधुर्य हो, वह सभी को अच्छा लगता है।''

मेरी माँ

रिश्तों की शुरूआत जहाँ होती है,
सबसे आगे, केवल माँ होती।
अंक गणित हो जहाँ विफल,
दुनिया का शून्य रूप माँ वहाँ होती।
माँ ईश्वर का रूप कहलाती,
माँ जीवन जीना सिखलाती।
माँ रसना को अमृत देती,
माँ मेरी पीड़ा हर लेती।
माँ की मीठी बातें भाती,
माँ चेहरे पर खुशियाँ लाती।
माँ से खाना-पीना सीखा,
माँ के बिन हर स्वाद है फीका।
माँ के कारण ही जलती, हम सबकी जीवन-ज्योति।
माँ देती अनुशासन-शिक्षा,
माँ देती जीवन की भिक्षा,
माँ का नहीं दुनिया में सानी,
माँ की होती है अजब कहानी,
माँ दुर्गा, लक्ष्मी और शारद ,
माँ कठोर है तो भी पारद,
माँ में सारे धर्म समाते,
माँ के रूप सभी को भाते,
माँ गुरुग्रन्थ, कुरान और गीता, इनमें भी पावन होती।
है कितना हमने माँ को जाना, कितना हमने माँ को माना।
क्या होती है माँ की ममता, क्या उसको हमने पहचाना।
शब्द कहें क्या माँ की शान में,
गीत लिखे क्या माँ के मान में।
माँ जैसा ईश्वर नहीं होगा,
माँ ही ईश्वर है इस जहान में ।
ईश्वर तो हँसता रहता है, मेरे दुःखों में माँ रोती।

-कु.प्रिया शर्मा, कक्षा - 8

ईर्ष्या का बोझ

एक बार एक गुरु ने अपने सभी शिष्यों से कहा कि वे कल प्रवचन में आते समय अपने साथ-साथ एक थैली में बड़े-बड़े आलू लेकर आयें, उन आलुओं पर उस व्यक्ति का नाम लिखा हो, जिनसे वे ईर्ष्या करते हैं, जो शिष्य जितने व्यक्तियों से ईर्ष्या करता है, वह उतने आलू लेकर आये अगले दिन किसी शिष्य के पास चार आलू थे, तो किसी के पास छः। गुरु ने उनसे कहा कि अगले सात दिनों तक ये आलू वे अपने साथ रखें। जहाँ भी जायें, खाते-पीते, सोते-जागते हमेशा अपने साथ रखें। शिष्यों को गुरु का यह आदेश कुछ समझ में नहीं आया, लेकिन गुरु की आज्ञा का पालन करना उनका धर्म था। दो-चार दिनों में आलू सड़ने लगे। शिष्य आलुओं की दुर्गन्ध से परेशान हो गये। जैसे-जैसे उन्होंने सात दिन बिताये और गुरु के पास पहुँचे और कहा गुरुवर आप हमारा पीछा इस दुर्गन्ध से छुड़ाइये। गुरु ने कहा जब मात्र सात दिनों में आपको ये आलू बोझ लगने लगे, तब सोचिये कि आप जिन व्यक्तियों से ईर्ष्या करते हैं, उनका कितना बोझ आपके मन पर रहता होगा। यह ईर्ष्या आपके मन पर कितना अनावश्यक बोझ डालती है, जिसके कारण आपके मन में भी दुर्गन्ध भर जाती है, ठीक इन आलूओं की तरह। इसलिए अपने मन में गलत भावनाओं को मत भरो। यदि किसी से प्यार नहीं कर सकते तो कम-से-कम नफरत मत करो। इससे आपका मन स्वच्छ और हल्का रहेगा। यह सुनकर सभी शिष्यों ने आलूओं के साथ-साथ ईर्ष्या को भी निकाल फेंका।

-विकेश रघुवंशी, कक्षा- 12 (गणित)

- कु. रोशनी साध (कक्षा-5)

''एक शब्द सुखरास है, एक शब्द दुःखरास है। एक शब्द बन्धन कटे, एक शब्द गले फाँस।''

सात सुख

प्रमुख सुख संसार में, कहलाते हैं सात,
भोग करें जो सुख सभी, भागवान कहलात।
पहला सुख प्रधान है, सदा निरोग शरीर,
स्वस्थ तन में स्वस्थ मन बसता है मतिधीर।
दूसर सुख घर में रहे, धन-दौलत भरपूर,
रहे नहीं कोई कमी, हर अभाव हो दूर।
तीसर सुख मृदुभाषिणी, पतिव्रता तिय साथ,
सेवा भाव सदा रखे, पति का दाहिन हाथ।
चौथा सुख कहते सभी, आज्ञाकारी पूत,
विद्या, विनय, विवेक सह, जननी भक्त अकूत।
पंचम सुख है सुजन कह, मन में हो सद्ज्ञान,
सत्य-अंहिसा, दया, धरम, परहित भाव समान।
छटा सुख है कहलात, सुविधामय आवास,
पवन प्रकाश सदा मिले, जल का रहे निकास।
सातवाँ सुख सतसंग है, कहत सभी सुजान,
संगति अच्छे लोग की, करत नित कल्याण।

-कु. प्रीति राजपूत, कक्षा- 9

महक उठे फुलवारी

दादाजी ने रोपा मुझको,
दादी जी ने सींचा,
अम्मा-बाबू ने दुलारा,
मैं बन गया बगीचा।
रिम्पी, रहमान, मरियम, जाजू,
मैं हूँ सबका साथी।
मेरे लिए एक से प्यारे,
क्या चींटी क्या हाथी।
मुझे मिटा कर क्या पाओगे,
रोग, भूख बीमारी।
वृक्ष प्रकृति के जीवन दाता,
ये सम्पदा हमारी।

-कपिल कुर्मी, कक्षा- 8

इन्हें भी जानें

1. विद्या ददाति विनयं के अनुसार विद्वान को विनम्र और विनयशील होना चाहिये, अहंकारी और शेखीबाज नहीं। यदि विद्या पाकर भी विनम्रता धारण नहीं की जाती, तो विद्या प्राप्त करना निष्फल ही रहा। विद्वान जितना ज्ञान प्राप्त करता है, उतना ही वह यह समझता है कि वह बहुत कम जानता है और बहुत कुछ जानना बाकी है, जो अपने को बुद्धिमान समझे, वह मूर्ख होता है।
2. ज्ञानी तत्त्व की खोज में रहता है। रोगी अच्छे वैद्य की खोज में रहता है। वेश्या धनवान् ग्राहक की खोज में रहती है। बलवान से वैर करने वाला सहायक की खोज में रहता है। योगाभ्यासी एकान्त की खोज में रहता है । याचक दानदाता की, भयभीत रक्षक की, ठग मूर्खों की, पुलिस अपराधी की, अपराधी मौके की तथा दुष्ट व्यक्ति दूसरों को कष्ट पहुँचाने के उपाय की खोज में रहता है, लेकिन विद्यार्थी सिर्फ विद्या प्राप्त करने के लिए ज्ञान की खोज में रहता है।
3. विद्या एक ऐसा धन है, जिसे न तो कोई छीन सकता है, न चुरा सकता है और न ही नष्ट कर सकता है। यह एक ऐसा धन है, जो खर्च करने से घटने बजाय बढ़ता है, जितना खर्च करो उतना बढ़ता है। विद्या माता के समान पोषण करती है, पिता के समान संरक्षण करती है। विदेश में मित्र की तरह साथ देती है, चहुँ और कीर्ति फैलाती है और बन्धु की तरह जीवन पर्यन्त साथ निभाती है।

-कु. निधि दाँगी, कक्षा- 12 (बायो)

दो में से एक छोड़ दो- दोस्ती या दुश्मनी,
दो में से एक छोड़ दो- स्नेह या क्रोध,
दो में से एक छोड़ दो- ईमानदारी या बेईमानी,
दो में से एक छोड़ दो- शराब या पानी,
दो में से एक छोड़ दो- सच या झूठ,
दो में से एक छोड़ दो- पाप या पुण्य,
दो में से एक छोड़ दो- सदाचार या दुराचार,

-अंकित साहू, कक्षा- 12 (गणित)

''किसी भी कार्य को करने से पूर्व आप स्वतन्त्र हैं, परन्तु एक बार उसे कर लिया तो फिर आप परतन्त्र हैं, उसका फल आपको भोगना ही पड़ेगा।''

ज्ञान का अभाव

कोरी कल्पना के साथ वास्तविकता के धरातल का भी ज्ञान होना चाहिये। एक बार एक कुएँ की मुँडेर पर राजहंस बैठा था। राजहंस दुर्लभ था, कहते है बहुत भाग्वशाली लोगों को ही वह दिखाई पड़ता है। कुएँ के अन्दर एक मेंढक क्रीड़ा कर रहा था। उसने देखा कि कोई अजनबी पक्षी कुएँ की मुंडेर पर बैठा है, उसने पूछा तुम कौन हो ? कहाँ से आये हो ?, राजहंस ने कहा-मैं हंसराज हूँ, मानसरोवर से आया हूँ। मेंढ़क ने पूछा-तुम्हारा मानसरोवर कितना विशाल है ?

राजहंस ने कहा- बहुत विशाल।

मेंढक ने एक छलाँग लगायी , कहा- इतना विशाल है।

राजहंश ने कहा- नहीं।

मेंढक ने फिर एक लम्बी छलाँग लगायी- कहा इतना बड़ा है।

राजहंस ने कहा-नहीं।

मेंढक ने पूरे कुएँ की परिक्रमा कर कहा-इतना बड़ा है। राजहंस ने कहा-नहीं! और भी बड़ा है। मेंढक ने कहा तुम्हारा मानसरोवर मेरे घर से बड़ा हो ही नहीं सकता। हंसराज ने सोचा, यहाँ रुकना ठीक नहीं है। वह चला गया अर्थात् जिस व्यक्ति ने सिर्फ कुआँ ही देखा है। बाहर की जो विशाल दुनिया है, उसका उसे पता नहीं है। उसने बाहर की जानकारी प्राप्त करने की कोशिश ही नहीं की, वह तो अपने घर को ही सबसे बड़ा मानता है।

-कु. श्वेता रघुवंशी, कक्षा-12(कॉमर्स)

प्यार

ना बैर न तकरार की , आज है जरूरत, प्यार की।
नफरत का तूफान उठे, तो मानव ही शैतान बने।
नफरत मन से जब जाये निकल , तो मानव ही भगवान बने।
मानवता को अपनाने से, तो हर कोई इंसान बने।
बार-बार समझाया जाता, फिर भी क्यों अंजान बने।
गीत प्रेम के ही गाने हैं, न नफरत के व्यवहार के।
ना बैर न तकरार की, आज है जरूरत प्यार की।

-कु. आस्था दुबे, कक्षा- 12 (गणित)

कोयल

मधुर-मधुर गीत गाती कोयल,
बसन्त ऋतु में आती कोयल।
सुनाकर अपना गीत कोयल,
मन को बहलाए कोयल।
लगती बेटी प्रकृति की,
जब-जब गीत गाती कोयल।
डाल-डाल पर बैठकर,
गुनगुनाती रहती कोयल।
कोयल और कौए में,
बस कण्ठ का है अन्तर।
देख कौए जलते हैं,
जब गुनगुनाती है कोयल।
पर देखो उनके गुणों को,
सबसे पहले रहती कोयल।
मधुर-मधुर गीत गाती कोयल,
बसन्त ऋतु में आती कोयल।

-आँचल शर्मा, कक्षा-9

बदलते परिवेश में हिन्दुस्तानी

कभी रुका न कभी रुकेगा, ये दरिया तूफानी ।
ताल ठोककर बोलो भैया, हम भी हिन्दुस्तानी।
मन्दिर-मस्जिद सूने दिखते, भीड़ लगी मयखानों में।
गाँव की गलियाँ हैं सूनी, कोई न मिले मकानों में।
अपराधी अफसर के आगे, बैठे पुलिस के थानों में।
चाचा और भतीजे मिलते, चाय के बागानों में।
आपस में ही होड़ लगी है, कलियुगी भगवानों में।
कोई किसी की बात न माने, सब करते मनमानी हैं।
ताल ठोककर बोलो भैया, हम भी हिन्दुस्तानी हैं।
अपना यहाँ कोई न मिलता, लाखों और हजारों में।
कोई किसी से गले न मिलता, तीज और त्यौहारों में।
अपना ही अब आ छुपा है, देश के गद्दारों में।
स्वार्थ की बदबू आती है, आज कल चुनावी नारों में ।
ताल ठोककर बोलो भैया ,हम भी हिन्दुस्तानी।

-प्रदीप राजपूत, कक्षा- 12 (गणित)

''इस जीवन में स्वीकृत कर्म को परिवर्तित करने की पूर्ण असम्भाव्यता से अधिक दुःखमय और कुछ नहीं है।''

हमारा प्यारा भारत

हमारा देश भारत प्राचीन समय से ही राजा-महाराजा एवं ऋषि-मुनियों का देश रहा है। राजा दुष्यन्त व शकुन्तला के पुत्र भरत के नाम पर ही हमारे देश का नाम भारत पड़ा। हमारे देश की सभ्यता अति प्राचीन है, इण्डस नदी के उस पार रहने वाले ईरानी इस प्रदेश को सिन्ध प्रदेश के नाम से जानते थे। इण्डस नदी के नाम पर ही हमारे देश का का नाम इण्डिया पड़ा। भारत पर मुगलों का शासन लम्बे समय तक रहा। मुगलों के आने के बाद ही सिन्धु प्रदेश का नाम हिन्द और फिर हिन्दुस्तान पड़ा। आर्यों के कारण भारत का नाम आर्यावर्त भी पड़ा।

संसार में भारत को सोने की चिड़िया के नाम से जाना जाता था, लेकिन विदेशी हमलावरों ने इस देश को लूटा ही नहीं, बल्कि इसकी तस्वीर भी बदल डाली। हमारे देश ने सैकड़ों वर्षों तक गुलामी सहन की। यहाँ अनेक भाषाएँ एवं बोलियाँ बोली जाती हैं। यहाँ अनेक जातियों एवं धर्मों के लोग निवास करते हैं। आज भी भारत अनेक देशों के लिए अनेकता में एकता का प्रतीक है, इसीलिए तो कहा जाता है कि ''अनेकता में एकता हिन्द की विशेषता''। इस प्रकार इस देश की एकता को देखकर मेरे हृदय में यही भाव उत्पन्न होते हैं कि -

एक सितारा चमका, जग में हुआ महान।
वो है मेरा प्यारा हिन्दुस्तान, सुन्दर हिन्दुस्तान।

-कु. संगीता रघुवंशी, कक्षा-11(गणित)

INDIA

India is a great country, my Country, our country. We live in a great Nation where-

- Pizza reaches home faster then ambulance and police.
- Where Rice is Rs. 40 per Kg. but a SIM Card is only Rs. 5/-.
- Where a millionare can buy a cricket team after spoilling many of millions instead of donating that money to any charity.
- Where everybody wants to be famous but nobody wants to follow path to be famous.
- Where people standing at a tea stall reading an article about child labour from a news paper and say "Yar bachoon se kam karwane walon ko to fansi par chadha dena chahiye" and than they about "Oye Chotu do chai laa"

-Sanket Nayak
Class- XII (maths)

MOTHER

M for Motivator
O for Onlooker
T for Teacher
H for Helper
E for Energatic
R for Responsible

-Ankit Sharma
Class- 7th (Dolphin)

आओ हँसें

1. बॉस (गुस्से में)-तुमने कभी उल्लू देखा है।
   नौकर (सिर झुकाते हुए)-नहीं सर।
   बॉस- नीचे क्या देख रहे हो? मेरी तरफ देखो।
2. मन्त्री-ब्लास्ट में मरने वालों को पाँच लाख रुपये और घायलों को तीन लाख रुपये दिए जायेंगें।
   बालक-मेरे पापा पहले घायल हुए, फिर मर गये। मेरा आठ लाख बनता है।
3. दो औरतें एक पेड़ के नीचे बैठकर काफी देर से बातें कर रही थीं। अचानक एक आम गिरा।
   एक औरत-ये आम कैसे गिरा?
   आम बोला-पक गया हूँ, तुम्हारी बातें सुन-सुनकर।
4. रिजल्ट अगर अच्छा हो तो-
   टीचर- होशियार बच्चा था।
   माँ-ऊपर वाले की कृपा है।
   पापा-बेटा किसका है?
   दोस्त-चल, घूम कर आते हैं।
   रिजल्ट अगर बुरा हो तो-
   टीचर-पढ़ाई में ध्यान ही नहीं था।
   माँ-आग लगे इस मोबाइल को ।
   पापा-तुम्हारे लाड़-प्यार ने बिगाड़ रखा है इसे।
   दोस्त-चल, घूम कर आते हैं।
   इसका मतलब है, दुनिया बदल जाती है ,
   मगर दोस्त कभी नहीं बदलते।

-मोहन रजक, कक्षा- 10

मजेदार चुटकुले

1. डॉक्टर -मैं आपके पति का इलाज नहीं कर सकता हूँ, क्योंकि मैं घोड़ों का डॉक्टर हूँ।
   पत्नी-तभी तो मैं आपके पास आयी हूँ, क्योंकि यह नींद में लात मारते हैं।
2. राम (श्याम से)-श्याम! रसगुल्ले खाना हानिकारक है या लाभदायक।
   श्याम-अगर तू खिलाये, तो लाभदायक और मैं खिलाऊँ तो हानिकारक।
3. बच्चा माँ से - आखिर तुम मुझे स्कूल क्यों भेजती हो।
   माँ-तुम जैसे बच्चों को इंसान बनाने के लिए।
   बच्चा-लेकिन मास्टर जी तो मुर्गा बनाते हैं।
4. मास्टरजी-राजू तुम्हें शर्म आनी चाहिये, तुमने सौ में से एक नम्बर लिया है।
   राजू-मास्टर जी आपने ही तो कहा था कि जीरो का कोई महत्त्व नहीं होता है।
5. मालिक-तू बहुत बड़ा गधा है।
   नौकर-नहीं हुजूर, बड़े तो आप हैं, मैं तो छोटा हूँ।
6. जज ने अपराधी से पूछा- किस अपराध के कारण तुम यहाँ पहुँचे।
   अपराधी ने कहा-छींक के कारण ।
   जज ने पूछा-वह कैसे।
   अपराधी ने उत्तर दिया-मेरी छींक ने पहरेदार को जगा दिया। उसने मुझे पकड़ लिया।

-अनुभव जैन, कक्षा 10

माँ

माँ ममता का सागर है,
माँ अमृत का गागर है,
माँ करुणा अवतार है,
माँ से सारा संसार है,
माँ शीतल है, माँ निर्मल है,
माँ चन्दन है, जग वन्दन है,
माँ जीवन है, संजीवन है,
माँ जीवन का आधार है,
माँ की महिमा अपार है,
माँ से बढ़ा न कोई दूजा,
सबसे पहले हो माँ की पूजा।

-कु. ट्विंकल उपाध्याय, कक्षा-6

बताओं तो जाने!

1. कर लो दूर समय रहते मुझे,
नहीं तो बहुत पछताओगे।
फैल गया साम्राज्य अगर मेरा,
तो बेमौत सभी मर जाओगे।

2. उड़ता हुआ जब वह पास आये,
क्षण भर में फिर छिप जाये।
बिन बिजली के जलता जाये,
सब के मन को खूब लुभाये।

3. पहली टोपी पहनी उस ने,
फिर सब को पहनायी,
इसकी उसके सिर, उसकी इसके,
फिर की लाखों की कमाई।

4. कोई कहता बढ़ती जाये,
कोई कहता घटती जाये।
क्या गजब की चीज हूँ मैं,
नाम बताओ मेरा तो जानें।

उत्तर 1. प्रदूषण 2. जुगनू 3. नेता 4. उम्र

-सौरभ सौलंकी, कक्षा- 12 (गणित)

पहेलियाँ

1. लम्बी पूँछ पीठ पर रेखा,
दोनों हाथों खाते देखा।

2. मैं हूँ हरे रंग की रानी,
देखकर आये मुँह में पानी,
जो भी मुझको चबाये,
उसका मुँह लाल हो जाये।

3. लाल-लाल आँखें,
लम्बे-लम्बे कान,
रूई का फुहासा,
बोलो क्या है, उसका नाम?

4. हरी-हरी मछली के हरे-हरे अण्डे,
जल्दी से बूझिये वरना पड़ेंगे डण्डे।

5. दूध की कटोरी में काला पत्थर,
जल्दी से तुम बताओ सोचकर।

6. मुझे छूकर जो आँख मले,
उसे मैं रुला देती हूँ।
मुझे कोई मुँह लगाये,
उसे में मजा चखा देती हूँ।

उत्तर- 1. गिलहरी 2 पान 3 खरगोश
4 मटर की फली 5 आँख 6 मिर्च

-आकांक्षा शर्मा, कक्षा- 11(गणित)

मेरा स्कूल

मेरा स्कूल नवांकुर विद्यापीठ,
सबसे न्यारा सबसे प्यारा।
हम बच्चे स्कूल के प्यारे,
शिक्षक यहाँ के सबसे निराले।
हम बच्चों को मिलता ज्ञान,
इसमें शिक्षा और स्वाभिमान।
यह स्कूल बनाता है,
हमको एक अच्छा इंसान।
हम करते इस पर अभिमान।

-मुदित दुबे, कक्षा- 5

''इस कलियुग में दौलत और सत्ता की लाठी जिसके पास है, उसी का वह दुनिया साथ देती है, उसके पीछे चलती है।''

हमारा नगर – गंजबासौदा

1. क्यों पड़ा नाम ?

ग्वालियर रियासत से जुड़े होने के कारण पूर्व में शहर का नाम शहजादपुर था। इसे वासुदेव नगर भी पुकारा जाता था। पास में गंज ग्राम स्थित होने कारण कालान्तर में इसका नाम गंजबासौदा पड़ा, जो आज तक कायम है।

2. पहचान–

नगर की पहचान आठ सौ वर्ष प्राचीन करीमउल्लाह शाह का मकबरा, शीतला शक्तिधाम, प्रथम श्रेणी की कृषि उपज मण्डी तथा नगर की चौड़ी सड़कें और रेल्वे स्टेशन की निःशुल्क जल सेवा है।

3. आबादी–

वर्ष 2001 की जनगणना के मुताबिक गंजबासौदा नगर की जनसंख्या लगभग 67 हजार थी, जो वर्तमान में लगभग 85 हजार से अधिक हो गयी है।

4. मूल कार्य–

यहाँ का मूल कार्य कृषि है। गेहूँ, चना, मसूर, सोयाबीन का उत्पादन प्रचुर मात्रा में होता है। साथ ही पत्थर उत्खनन यहाँ का प्रमुख कार्य है।

5. खासियत–

सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का माहौल यहाँ की खासियत है। इसके अलावा प्रसिद्ध उदयपुर- मन्दिर वास्तु और शिल्पकला का अद्भुत संगम यहाँ की खासियत है।

6. जरूरत–

गंजबासौदा तहसील के विकास के लिए कृषि–आधारित उद्योग अतिआवश्यक हैं, क्योंकि क्षेत्र में 70 प्रतिशत व्यवसाय कृषि पर आधारित हैं। यहाँ पर बिजली और पानी की बहुत आवश्यकता है। शिक्षा के क्षेत्र में महाविद्यालय होने से इसे एजूकेशन हब के रूप में विकसित किया जाना भी जरूरी है। इस क्षेत्र का विकास तेजी से हो रहा है, लेकिन रोजगार के साधन भी बढ़ाने की आवश्यकता है।

–कु. वैशाली रैकवार, कक्षा –9

लक्ष्य और स्थिरता

इस दौड़-धूप, रफ्तार-भरी जिन्दगी में कोई-न-कोई किसी-न-किसी कार्य में लगा हुआ है और उनकी अपेक्षाएँ अपनी मेहनत से परे होती हैं, परन्तु इस संसार-सागर में चन्द ही हस्तियाँ अपनी छाप छोड़कर जाती हैं, जिनकी अपनी मेहनत, लक्ष्य और उस लक्ष्य के प्रति उनकी स्थिरता बनी रहे। उनमें से कुछ ऐसे भी होते हैं जो कम समय में अधिक पाना चाहते हैं और अपने कार्यक्षेत्र की दिशा से भटककर सब कुछ खो बैठते हैं, क्योंकि उनका मार्गदर्शन नहीं किया जाता, परन्तु कुछ ऐसे भी होते हैं, जो अपना मार्गदर्शन स्वयं ही अर्थात् अपनी अन्तरात्मा के माध्यम से करते हैं, जो सर्वथा सत्य और हितकारी होती है। उनकी अन्तरात्मा उनका केन्द्रबिन्दु होती है, जो उन्हें लक्ष्य के प्रति स्थिर तथा गलत एवं सही का निर्णय करने में सहायता करती है। उनके लिए किसी कवि ने ठीक ही कहा है कि–

वो खुद ही तय करते हैं, मंजिल आसमाँ की,
परिन्दों को नहीं दी जाती, तालीम उड़ानों की।
रखता है जो हौसला आसमाँ छूने का,
उसको नहीं होती परवाह जमाने की।
हैं वो दुनिया से परे,
जिन्दगी की कसौटी पर जो खरे उतरे।
हम जैसे तो इस दुनिया में बहुत हैं पड़े,
हमारे पाँव तो असमंजस में हैं पड़े।
हिम्मत करके एक आधी सीढ़ी भी जो चढ़े,
लगे कोई झटका और फिर नीचे आ गिरे।
पर जो हैं एक ही लक्ष्य पर अड़े,
वहीं बनते हैं दुनिया में सबसे बड़े।

-प्रदीप राजपूत,
कक्षा-12 गणित

''थोड़ा-सा धन प्राप्त होते ही मानव का मन बेकाबू हो जाता है। थोड़ा सा रूप मिलते ही दर्पण तोड़ देता है। यह कैसी विडम्बना है।''

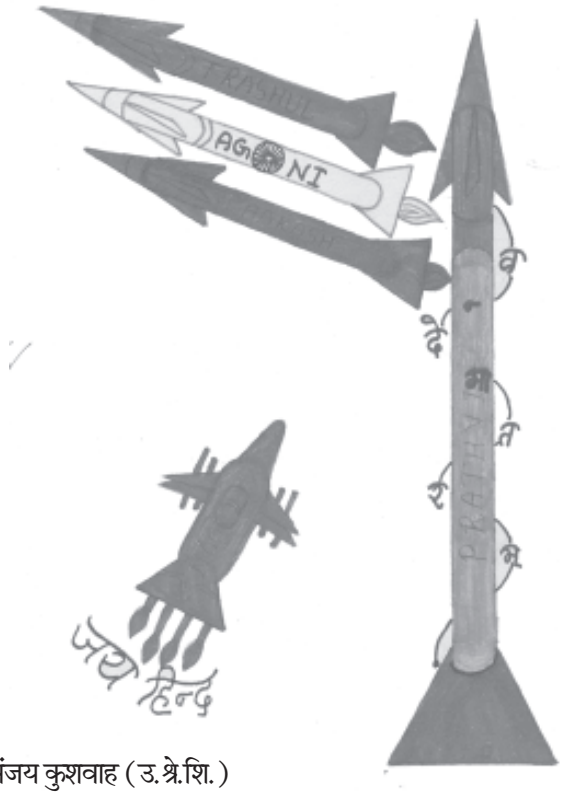

– संजय कुशवाह (उ.श्रे.शि.)

– रुखसार अली (कक्षा-5)

– अनिकेत रघुवंशी (कक्षा-6)

– सम्यक जैन (कक्षा-6)

''इस संसार में सबको अपने तरीके से रहने का अधिकार है। कली अपने ढंग से खिलती है और फूल अपने ढंग से मुस्कुराता है।''